THE DEPUTY CHAIRMAN: *After* special mentions. We can adjourn the House for lunch ten minutes late.

Reported spread of gastro-enteritiis in large areas of Visakhapatnam district of Andhra Pradesh

SHRI SATYANARAYANA DRONAMRAJU (Andhra Pradesh): Madam Deputy Chairman, I would like to bring to the notice of The entnal Government about some recent tragedies that have occurred in the district of Visakhapatnam The killer disease, gastro-enteritis struck Visakhapatnam district right from Bhimunipatnam to Payakaraopeta. The recent death toll due to the dreaded epidemic gastro-enteritis in the district has gone up to 32, exclusively in Bhimunipatnam, Tagarapuvalasa and Sangivalasa villages. In the recent past also, this disease had struck the Tribal belt of Chintapalli, Paderu and took a toll of 35 lives. It spread to the towns of Anakapalli, Narasipatnam and Payakaraopeta. Now the entire district has been affected by this epid emic and 600 cases have been officially reported in the Government hospitals.

I request the Central Government to intervene in the matter and depute a high level medical team to investigate into the matter and take adequate preventive measures to control this disease.

I also request the Central Government to release at least Rs. 1 crore from the Prime Minister's Relief Fund for providing relief to the affected people. Ex-gratia payments to the families of the deceased may also be granted.

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka): Madam Deputy Chairman, I associate myself with the special mention made by Shri Dronamraju Satyanarayana. In Chitnadurga, Mysore and other places in Karnataka, people are suffering from gastro-enteritis. I think the Ministry of Health should take a serious note of it and preventive action should be taken.

Frauds in Lottery opration in the country

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान): महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि हमारे देश में लगभग सब प्रांतों में कांग्रेस की सरकार की वहुत बड़ी देन रही है और वह लाटरी का बिजनेस है। लाटरी का व्यवसाय पिछले कई वर्षों से काफी अच्छी तरक्की पर चल रहा है। मैं नहीं समझता कि समाज, राष्ट्र और व्यक्ति के लिये यह कितना लाभदायक है और कितना अधिक व्यक्ति के लिये उपयोगी है। लेकिन यह तथ्य है कि इस व्यवसाय में इस समय लगभग 54 हजार करोड़ रुपयों का व्यवसाय हो रहा है। इसमें 25 लाख लोग लगे हुये हैं जो लाटरी के टिकट बेचते हैं। यह व्यवसाय बढ़ रहा है, यह बात सही है। लेकिन इस व्यवसाय में, लाटरी के धंधे में कितनी फर्जीयत, कितनी बेईमानी और लूट-खसोट मची हुई है उसके प्रति सरकार ने ध्यान नहीं दिया है। दो दिन पहले नव भारत टाइम्स के हिन्दी एडीशन में जो समाचार आया है उसका एक पैराग्राफ पढ़ना चाहता हूं जो सरकार के लिये आंख खोलने वाला हो सकता है। इसलिये यदि वाकई सरकार अपनी आंख खोलना चाहती है और कान से बात को सुनना चाहती है तो उस पर सरकार को ध्यान देना चाहिये। महोदया, इसमें स्पष्ट लिखा है कि गैर-कानूनी, छलपूर्ण और अमानवीय देश में धड़ल्ले से बिक रही लगभग दो सौ लाटरियों के बारे मे इसके अलावा कुछ नहीं कहा जा सकता। राजधानी, दिल्ली में ही, यानी नाक के नीचे, केन्द्रीय सरकार के ही, यहां पर ही इस प्रकार की 35 से 40 प्रतिशत अवैध लाटरियां चल रही हैं, अवैध धंधा हो रहा है। दिल्ली से ही प्रकाशित कई राष्ट्रीय दैनिक अखबारों में लाटरियों के भ्रामक विज्ञापन सुर्खियों